(e) if so, the reasons therefor and what steps have been taken to investigate the same;

(f) whether it is a fact that his Ministry has come across certain instances of involvement of certain officers based on the files of certain companies; and

(g) if so, what are the details thereof and by when action would be taken?

THE MINISTER OF PETROLEUM AND CHEMICALS (SHRI M. S. GURUPADASWAMY): (a) to (g) A number of letters have been received from Members of Parliament alleging irregularities in the assessment of liabilities of certain drug companies under DPCO, 1987 and irregularities in some other areas. The liabilities are being reassessed.

Three other cases of specific complaints are being looked into and a final view is yet to be taken.

हवाई अड्डों पर क्षेत्रीय भाषाओं में उद्घोषणा

2114. **श्री विश्वासराव रामराव पाटिल** : क्या नागर विमानन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार हवाई अड्डों पर, उड़ानों के बारे में अंग्रेजी और हिन्दी में की जाने वाली उद्घोषणाओं की प्रचलित प्रथा के साथ-साथ उन संबंद्ध राज्यों की प्रादेशिक भाषाओं में भी उद्घोषणा कराये जाने का विचार रखती है जहां से उड़ानें भरी जाती हैं ; और

(ख) यदि हां, तो ये प्रबन्ध कब तक लागू हो जाएंगे ?

ऊर्जा मंत्री साथ में नागर विमानन मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार (श्री आरिफ मोहम्मद खान) : (क) और (ख) चारों अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डों, अर्थात मुम्बई, कलकत्ता, दिल्ली और मद्रास पर द्विभाषिक उद्घोषणाएं की जाती हैं अर्थात हिन्दी में और इसके बाद अंग्रेजी में । तथापि, मुम्बई, कलकत्ता और मद्रास हवाई अड्डों पर, द्विभाषिक उद्घोषणाओं के साथ क्षेत्रीय भाषाओं में भी उद्घोषणाएं की जाती हैं । जहां तक विमान में उद्घोषणाओं का संबंध है, एयर इंडिया में हिन्दी और अंग्रेजी के अतिरिक्त कुछ क्षेत्रीय भाषाओं में अर्थात मद्रास-सिंगापुर-कुआलालम्पुर-मद्रास सैक्टर पर तमिल में और गल्फ़-त्रिवेन्द्रम -गल्फ़ सैक्टर पर मलयालम में पूर्व रिकार्ड की हुई उद्घोषणाएं की जाती हैं । इंडियन एयरलाइन्स और वायुदूत में उड़ानों के दौरान विमानों में कर्मीदल को अखिल भारतीय आधार पर लगाया जाता है और इसलिए हिन्दी और अंग्रेजी के अलावा क्षेत्रीय भाषाओं में उद्घोषणाएं करना व्यवहारिक नहीं है । तथापि, इंडियन एयरलाइन्स का यह प्रयास रहता है कि जहां कहीं भी क्षेत्रीय भाषा हिन्दी के अतिरिक्त कोई अन्य हो, क्षेत्रीय भाषा का प्रयोग किया जाए ।

उड़ान योग्यता प्रमाण-पत्र लिये बिना उड़ने वाले विमान

2115. **श्री विश्वासराव रामराव पाटिल** : क्या नागर विमानन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 1988; 1989 और 1990 में आज तक बम्बई से दिल्ली के बीच और अन्य स्थानों से उड़ान योग्यता का वैध-प्रमाण-पत्र लिये बिना उड़ने वाले विमानों की संख्या कितनी है तथा ऐसे प्रत्येक विमान के संबंध में ब्यौरा क्या है ? और

(ख) इसके क्या कारण हैं तथा इस संबंध में क्या कार्यवाही की गई ?

ऊर्जा मंत्री साथ में नागर विमानन मंत्रालय का अति रक्त प्रभार (श्री आरिफ मोहम्मद खान) : (क) इस प्रकार के उल्लंघन की कोई जानकारी सरकार के ध्यान में नहीं आई है ।

(ख) प्रश्न नहीं है ।